

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
१३/३/५२	<p>कॉमि. प्रॉ. ३५०। कंपा. प्रॉ. ६। की पुनः राखी व वास्तविक पत्र ले लकी हैड तलबना/पी/ लाना पेय करे का एड कवक हो न्याय ही कानि कवक दिमा जाला ही पत्रावली कामना दि. २४/५/५२ को पेय ही।</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i> A. S. J. S. J.</p> <p><small>कुलकर्णी उपस्थित। आज अमान पीठासीन अधिकारी महोदय अन्व सज्जतीय कर्मों में अन्व/अनम/ अवकाश पर है। अतः बेसी इत्तबा होकर पत्रावली दिनांक..... को पेय हो।</small></p>	नेम लिपि
२४/५/५२	<p>कॉमि. प्रॉ. ३५०। कॉमि. प्रॉ. ३५०। की लकी पुनः रखी व वास्तविक पत्र ले पेय मी/पत्रावली ले। की लकी एडि ए एडि डक कवक हाथिली हाथ डक। पत्रावली कामना दि. २४/५/५२ को पेय ही।</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i> A. S. J. S. J.</p>	<p style="text-align: center;">सीडर उप सज्जतीय कर्मों में अन्व/अनम/ अवकाश पर है। अतः बेसी इत्तबा होकर पत्रावली दिनांक..... को पेय हो।</p>
२५/५/५२	<p>कॉमि. प्रॉ. ३५०। कॉमि. प्रॉ. ३५०। की लकी पुनः राखी व वास्तविक पत्र ले पेय को पत्रावली कामना दि. २०/०१/५२ को पेय ही।</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i> A. S. J. S. J.</p>	
२०/१/५२	<p>आवेकना प्रॉ. ३५०। वहाली में प्रॉ. ०१ की लकी होके ही प्रवाली के अग्रपत्र किया इतराठ उत्तर में प्रॉ. ०१ में प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र ही प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र के अग्रपत्र प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र संलग्न प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र प्रॉ. ०१ के अग्रपत्र</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i> A. S. J. S. J.</p>	

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील में
जारी हुए

हेतु किचिदिह सुकत इफर कड एघरीण नार्थ
 ई मनेणु वेरु कियथी विघणु अरी कड
 प्रार्थन वरुं घोषणीय नही एत की विधि
 में खारेज किया जातये अविब्वर अरी
 मय अरी एघरीह नार्थीएण नं। लेकिन
 हेतु प्रवेणु वेरु अरी धरि विधान ई
 लम्बु नं जोरि विमय ई ई मना एघरी
 आधारा / सिद्धांतों ई कार्य अघरीएण प्रवेणु
 करी हेतु स्वतः ए प्रकृती कराल सुभार
 एतद मन्वत ई कड वी

